वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय
वानिकी महाविद्यालय, कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई
रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल-249199 (उत्तराखण्ड)
फोन नंबर : 01376 - 252 150

कृषि-मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद - चम्पावत

दिनांक- 31 जुलाई, 2018

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान आधारित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अंतर्गत मौसम पूर्वानुमान केंद्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली तथा मौसम केन्द्र, देहरादून से प्राप्त मौसम पूर्वानुमानित आँकड़ों के आधार पर उत्तराखण्ड के चम्पावत जनपद में अगले पाँच दिनो निम्न मौसम रहने की सम्भावना व्यक्त की जाती है:-

मौसम पूर्वानुमान - चम्पावत	**(between 0830 hours of Yesterday & 0830 hours Today)**				
मानक मौसम सप्ताह 31	**01-08-2018** (31 जुलाई सुबह 08:30 बजे से 01अगस्त सुबह 08:30 बजे तक)	**02-08-2018** (01अगस्त सुबह 08:30 बजे से 02अगस्त सुबह 08:30 बजे तक)	**03-08-2018** (02अगस्त सुबह 08:30 बजे से 03अगस्त सुबह 08:30 बजे तक)	**04-08-2018** (03अगस्त सुबह 08:30 बजे से 04अगस्त सुबह 08:30 बजे तक)	**05-08-2018** (04अगस्त सुबह 08:30 बजे से 05अगस्त सुबह 08:30 बजे तक)
वर्षा (मि.मी.)	मध्यम (35 मिमी.)	मध्यम से अपेक्षाकृत ज्यादा (45 मिमी.)	मध्यम से अपेक्षाकृत ज्यादा (50 मिमी.)	मध्यम से अपेक्षाकृत ज्यादा (50 मिमी.)	मध्यम (20 मिमी.)
अधिकतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	24	25	26	26	25
न्यूनतम तापमान (डिग्री सेल्सियस)	18	17	16	15	16
आसमान में बादल आच्छादन **(ओक्टा: 0 से 8 शून्य ओक्टा (पूरी तरह से साफ आसमान) 8 ओकटा (पूरी तरह बादलों से घिरा आसमान)**	मुख्यतः बादल (6)	मुख्यतः बादल (7)	मुख्यतः बादल (7)	मुख्यतः बादल (7)	घने बादल (8)
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	90	90	95	95	95
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (%)	50	50	50	55	55
वायु की औसत गति (कि.मी./घंटा)	4	6	4	6	6
वायु की दिशा	दक्षिण-पूर्व	दक्षिण-पूर्व	दक्षिण-पूर्व	दक्षिण-पूर्व	दक्षिण-पूर्व

कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला, रानीचौरी, टिहरी गढ़वाल (समुद्रतल से ऊँचाई-1827 मीटर)के प्रेक्षण अनुसार विगत सप्ताह (25 से 31 जुलाई, 2018, सुबह 08:30 तक) आसमान में मध्यम से घने बादल (5-8 ओक्टा) छाए रहने के साथ 137.9 मिमी. वर्षा दर्ज की गई|दिन का अधिकतम तापमान 19.2 से 24.4 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 15.0 से 16.9 डिग्री सेल्सियस रहा|इस दौरान पूर्वाहन 07:16 बजे सापेक्षित आर्द्रता 91 से 100 प्रतिशत तथा अपराहन 14:16 बजे को 82 से 100 प्रतिशत के मध्य रही| हवा की औसत गति 0.8 से 4.6 किमी० प्रति घंटा रही|सप्ताह के दौरान हवा दक्षिण-पश्चिम व दक्षिण-पूर्व दिशा से चली|

सामान्यीकृत अंतर वानस्पतिक सूचनांक (Normalized Difference Vegetation Index) दिनांक 16 से 22 जुलाई, 2018 के आधार पर उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में कृषि ओज की स्थिति औसत (NDVI value 0.25 to 0.4) है|

मानकीकृत वर्षा सूचनांक (SPI_अवधि दिनांक 01 जून से 25 जुलाई, 2018) के आधार पर जनपद में सामान्य से कम बारिश की स्थिति रही|

फसल	अवस्था	फसल	अवस्था
चेती धान, झंगोरा (असिंचित)	बाली बनने की प्रक्रिया	**धान (सिंचित)**	कल्ले निकलना/तना वृद्धि
मंडुवा, रामदाना	कल्ले निकलना/ वानस्पतिक बढवार	**तोर, सोयाबीन, गहत, नौरंगी, उर्द, तिल आदि**	पौध अवस्था
लौकी, कददू, खीरा	फूल/फल	**बंद गोभी,**	बढ़वार/बंद बनना
हल्दी, अदरक	राईजोम/कंद वृद्धि	**टमाटर, शिमलामिर्च, तेज मिर्च, बैंगन आदि**	फूल/फल बनना
आलू	कंद बढ़वार	**सेब, अखरोट, नाशपाती**	फल वृद्धि/परिपक्वता

मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान आधारित कृषि सलाह:

- बारिश की सम्भावना को देखते हुए किसानो को सलाह दी जाती है कि फसलों, खेत के मेंढ़ व किनारों से खरपतवार हटा दें| खरपतवार की अधिकता से कीट प्रकोप बढ़ जाता है|
- गर्म वातावरण व अधिक आर्द्रता के कारण फसल पर रोग व कीटों का प्रकोप अधिक होता है अतः रसायनों के साथ चिपकने वाले पदार्थ (NB-80, Stick-30, Spreader आदि) को मिलाकर बारिश न होने के दौरान छिडकाव करें| रसायनों का दूसरा व तीसरा छिडकाव 10-12 दिनों के अंतराल पर अवश्य करें|
- झंगोरा/मादिरा, दलहनी व सब्जी फसलों पर कीट का प्रकोप होता है, अतः कीट नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड कीटनाशक की 01मिली या नील आयल की 05 मिली0 मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिडकाव करें|
- गोभी वर्गीय फसल में जीवाणुजनित काला सडन (Black rot) रोग के नियंत्रण हेतु कॉपरओक्सीक्लोराइड 0.3% + स्ट्रेप्टोसाईक्लीन 0.2% की दर से छिडकाव करें|
- अधिक आर्द्रता व तापमान के कारण इस मौसम में शिमला मिर्च फसल पर फफूंदजनित पछेती झुलसा रोग का प्रकोप अधिक होता है, इसके नियंत्रण के लिए मेन्कोजेब 0.25% या रिडोमिल 0.2% का घोल बनाकर साफ मौसम में छिडकाव करें|
- आलू के खड़ी फसल में झुलसा रोग का प्रकोप हो तो सर्वप्रथम जमीन की सतह से पौधों को काट कर खेत के बाहर गड्डे में फफूंदनाशक मिलाकर दबा दें| जल निकासी की उचित व्यवस्था रखें|
- सब्जी फसल में फल मक्खी से प्रभावित सब्जी फलों को तोडकर गहरे गड्डे में दबा दें| फल मक्खी से बचाव हेतू खेत में विभिन्न जगहो पर गुड़ या चीनी के साथ मैलाथियान कीटनाशक (Malathion10%) का घोल बनाकर छोटे कप या बरतन में रख दें ताकि फल मक्खी का नियंत्रण हो सके। कीट नियंत्रण हेतु प्रकाश प्रपंच, फेरोमैन ट्रैप का भी उपयोग कर सकते हैं|
- रेशम पालन हेतु शहतूत पौध का रोपण करें|
- सेब की अगेती किस्म व नाशपाती के परिपक्व फलों की तुड़ाई कर विपणन /सुरक्षित भण्डारण करें| वृक्षों के थालों में जल इकट्ठा न होने दें|
- वर्षाकालीन फल वृक्षों, बहुवर्षीय चारा वृक्षों, घास आदि का रोपण कार्य करें| बागान/खेतो के किसी एक भाग में वर्षा जल भण्डारण की व्यवस्था रखें|
- पशुओं को बारिश से बचाकर रखें व पशुचिकित्सक परामर्श लेकर पेट के कीड़े मारने की दवा का सेवन करवाएं| खुरपका व मुंहपका रोग का टीकाकरण अभी तक नहीं करवाया है तो शीघ्र टीकाकरण करवायें|

नोडल अधिकारी
कृषि मौसम प्रक्षेत्र इकाई, रानीचौरी

तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना

Note: Farmer registration for SMS Link: http://imdagrimet.gov.in/farmer/Form.php
District GKMS Bulletin (current) Link: http://www.imdagrimet.gov.in/node/3498